आमुख

लेखापरीक्षण मानक प्रथम बार विभाग द्वारा 1994 में जारी किए गए। लेखापरीक्षण मानकों का यह संशोधित संस्करण पुराने प्रकाशन को व्यापक रूप से पुनः अद्यतन करके तैयार किया गया है चूँकि यह अनिवार्य है कि व्यावसायिक मानकों की समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए, उन्हें पुनः तैयार किया जाना चाहिए और उनको अद्यतन किया जाना चाहिए। इन लेखापरीक्षण मानकों को तैयार करने में 2001 में इन्टोसाई द्वारा जारी पुनः तैयार किए गए लेखापरीक्षण मानकों को उपयुक्त रूप से अपनाने में उचित सावधानी बरती गयी है ; विशेष तौर पर इन्टोसाई के मूल घटक 'आचार संहिता' को इस खंड में समाविष्ट किया गया है।

मुझे विश्वास है कि ये लेखापरीक्षण मानक एक महान दीपस्तम्भ एवं पोषक के रूप में कार्य करेंगे और जवाबदेही और इसके परिणामस्वरूप अच्छे शासन के लिए सभी स्तरों पर सरकारी लेखापरीक्षकों और सार्वजनिक जवाबदेही से सम्बन्धित अन्यों के बीच उत्तरदायित्व की भावना को अधिक विकसित करेंगे।

विजय कृष्ण शुंगलू
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

6 मार्च, 2002
नई दिल्ली